पंजाब के गैंगस्टर जीशान अख्तर के गुर्गे को एजीटीएफ ने दबोचा

विदेश में बैठे गैंगस्टर से जुड़कर व्यापारी के ऑफिस पर की थी फायरिंग

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने संगठित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पंजाब में रंगदारी और फायरिंग के मामले में फरार चल रहे एक गैंगस्टर को दौसा जिले के बांदीकुई से आरोपित चन्द्रप्रकाश शर्मा उर्फ चन्दू शर्मा को दस्तयाब किया है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

आरोपी चन्द्रप्रकाश उर्फ चंदू

एजीटीएफ अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक दिनेश एमएन ने बताया कि संगठित अपराधियों और फरार आरोपियों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी कडी में गठित विशेष टीम को सूचना मिली थी कि पंजाब के नकोदर सिटी में एक व्यापारी से रंगदारी मांगने और उसके कार्यालय पर फायरिंग की वारदात में शामिल आरोपी राजस्थान में छिपा हुआ है।

एजीटीएफ को पिछले करीब एक महीने से आरोपी की गतिविधियों और लोकेशन को लेकर लगातार इनपुट मिल रहे थे। टीम लगातार उसके ठिकानों और नेटवर्क की निगरानी कर रही थी। सूचना पुख्ता होने पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिद्धांत शर्मा और पुलिस उपाधीक्षक रविंद्र प्रताप सिंह के सुपरविजन में तथा पुलिस निरीक्षक सुनील जांगिड़ के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई।

एजीटीएफ टीम ने तकनीकी इनपुट और सूचना के आधार पर जाल बिछा बांदीकुई में दबिश देकर आरोपी चंदू उर्फ चंद्र प्रकाश को पकड लिया। आरोपी को विधिक प्रक्रिया पूरी कर पंजाब पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

- **एक महीने की कड़ी निगरानी के बाद एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स को सफलता हासिल हुई**

जहां उससे पूछताछ जारी है। आरोपित से पूछताछ में गैंग के नेटवर्क, रंगदारी व अन्य आपराधिक गतिविधियों से जुडे अहम खुलासे होने की संभावना है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपित चन्द्रप्रकाश उर्फ चंदू का पहले कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं मिला है। जांच में यह भी पता चला कि वह हाल ही में पंजाब के गैंगस्टर जीशान अख्तर के गिरोह से जुड़ा था। जीशान अख्तर फिलहाल विदेश में रहकर गैंग ऑपरेट कर रहा है और भारत में अपने नेटवर्क के जरिए रंगदारी व अन्य आपराधिक गतिविधियों को संचालित कर रहा है।

एडीजी एमएन ने बताया कि आरोपित चन्द्रप्रकाश उर्फ चंदू ने पंजाब के नकोदर शहर में एक व्यापारी को गैंग द्वारा रंगदारी के लिए धमकाया गया था। जब व्यापारी ने बात नहीं मानी तो गैंग के सदस्यों ने उसके ऑफिस बक्शी ट्रेवल्स पर 18 जनवरी 2026 को फायरिंग कर दहशत फैलाने की कोशिश की थी। इस मामले में पंजाब पुलिस ने गैंग के तीन अन्य सदस्यों दीपक,अंकित कुमार और हरिजंदर गुप्ता को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। वहीं तीन फरवरी को नाकाबंदी के दौरान पंजाब पुलिस पर फायरिंग करने पर जवाबी कार्रवाई में अंकित कुमार और हरिजंदर घायल भी हुए थे। इस घटना के बाद चन्द्र प्रकाश फरार हो गया और लगातार ठिकाने बदलकर गिरफ्तारी से बचता रहा। पूछताछ में सामने आया कि पंजाब से भागने के बाद यह जयपुर, दौसा के पाराशर धाम, लालसोट व अन्य इलाकों में फरारी काट रहा था। इस कार्रवाई में एजीटीएफ टीम के प्लाटून कमांडर सोहन सिंह, हेड कांस्टेबल महेश सोमरा, होशियार सिंह, प्रवीण कुमार, महावीर सिंह, कांस्टेबल जितेन्द्र कुमार के साथ जिला दौसा की डीएसटी टीम की विशेष भूमिका रही।

पशु चोरी गैंग का पर्दाफाश, शातिर बदमाश गिरफ्तार

जयपुर । दौलतपुरा थाना पुलिस ने पशुधन चोरी करने वाली एक सक्रिय गैंग का पर्दाफाश करते हुए उत्तर प्रदेश के सहारनपुर के एक शातिर आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पूछताछ में राजस्थान के विभिन्न जिलों में 15 से अधिक पशु चोरी की वारदातें करना स्वीकार किया है।

पुलिस उपायुक्त (जयपुर पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि दौलतपुरा थाना पुलिस ने पशुधन चोरी करने वाली एक सक्रिय गैंग का पर्दाफाश करते हुए उत्तर प्रदेश के सहारनपुर निवासी दिलशाद (40) को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में उसने कानोता, बस्सी, टोंक, सवाई माधोपुर और दौसा सहित कई जगहों पर कुल 15 पशु चोरी की घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया है। पुलिस फिलहाल आरोपी से उसके अन्य साथियों के बारे में पूछताछ कर रही है और चोरी किए गए पशुधन की बरामदगी के प्रयास जारी हैं। थानाधिकारी सुनील कुमार ने बताया कि 4 जनवरी 2026 को परिवादी मुकेश कुमार ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 3 जनवरी 2026 की रात अज्ञात चोरों ने उसके घर के पीछे बंधी तीन भैंसे चोरी कर लीं। पुलिस ने इस संबंध में बीएनएस की धारा 305(ए) के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश गुप्ता व्र सहायक पुलिस आयुक्त (चौमू) उषा यादव के सुपरविजन में एक विशेष टीम गठित की गई थी।

राजस्थान और मध्यप्रदेश में डोडा-चूरा की तस्करी का मुख्य सप्लायर गिरफ्तार

पिछले 9 साल से फरार इस कुख्यात तस्कर को ए.एन.टी.एफ. ने मध्यप्रदेश बॉर्डर से दबोचा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान और मध्यप्रदेश में डोडा-चूरा की तस्करी कर रहे कुख्यात तस्कर को एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने आखिरकार गिरफ्तार कर लिया। छोटी सादड़ी (प्रतापगढ़) निवासी नितेश आंजना पर 45 हजार रुपए का इनाम घोषित था और वह पिछले करीब 9 साल से पुलिस को चकमा दे रहा था। उसे मध्य प्रदेश बॉर्डर से दबोचा गया।

एएनटीएफ के आईजी विकास कुमार ने बताया कि नितेश का नाम करीब 9 साल पहले बाड़मेर के सदर थाना में मादक पदार्थ की बड़ी खेप पकडे जाने के बाद मुख्य सप्लायर के रूप में सामने आया था। इसके बाद 2021 में जालौर के करडा थाना क्षेत्र में भी उसका नाम सामने आया, जिस पर इनाम घोषित किया गया।

जांच में सामने आया कि आरोपी बेहद शातिर था और जिन तस्करों को सप्लाई करता, उन्हें भी अपनी असली पहचान और ठिकाना नहीं बताता था। ऐसे में पकड़ी गई खेप में उसका नाम सामने नहीं आता था।

एएनटीएफ टीम ने उसे पकड़ने के लिए खास रणनीति अपनाई। टीम ने इलाके में अलग-अलग भेष बदलकर नेटवर्क खंगाला और उसके करीबियों

- **आरोपी पर 45 हजार रु. का इनाम घोषित था, एएनटीएफ ने भेष बदलकर पीछा किया**
- **आरोपी इतना शातिर था कि, जिन तस्करों को मादक पदार्थ सप्लाई करता था, उन्हें भी अपनी असली पहचान और ठिकाना नहीं बताता था**

तक पहुंच बनाई। इस दौरान पता चला कि वह साइटिका की बीमारी से पीड़ित है और हर माह आवरी माता के दर्शन करने जाता है। इसी सूचना पर घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ में सामने आया कि नितेश बीकॉम पास है और पहले डोडा के ठेके पर हिसाब-किताब का काम करता था। वहीं से तस्करों के संपर्क में आकर उसने खुद का नेटवर्क खड़ा कर लिया। वह अग्रिम सौदे कर मोटा मुनाफा कमाता और गुर्गों के जरिए तस्करों को एस्कॉर्ट करवाता था। खास बात यह भी सामने आई कि वह काली कमाई का पूरा हिसाब रखता और करीब 10 फीसदी राशि दान-पुण्य में खर्च करता था। स्थानीय स्तर पर उसके खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं था, जिससे वह वर्षों तक पुलिस से बचता रहा। एएनटीएफ अब आरोपी से गहन पूछताछ कर उसके पूरे नेटवर्क और अन्य तस्करों के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

तेज रफ्तार थार ने स्कूटी सवार महिला को कुचला

कार की टक्कर से महिला गाड़ी के टायर में जा फंसी, गंभीर घायल

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । शिप्रा पथ थाना क्षेत्र में मंगलवार को तेज रफ्तार थार गाड़ी ने स्कूटी सवार महिला को टक्कर मारकर करीब 20-25 फीट तक घसीट दिया। हादसे में महिला वाहन के अगले टायर के नीचे आ गई और गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

थाना प्रभारी महेंद्र सिंह के अनुसार, विजय पथ स्थित एसबीआई बैंक के सामने हुई इस दुर्घटना में मानसरोवर निवासी नेहा श्रीवास्तव (35) घायल हुई हैं। वह एक्टिवा से घर से निकलकर बाजार जा रही थीं, तभी पीछे से आई तेज रफ्तार ब्लैक थार ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि महिला गाड़ी के साथ घसीटती चली गई और टायर के नीचे फंस गई। घटना के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई। परिजनों ने तुरंत महिला को बाहर निकालकर साकेत अस्पताल पहुंचाया, जहां गंभीर हालत में उन्हें दोपहर करीब 1 बजे

- **कार नंबरों के आधार पर चालक की तलाश शुरू की पुलिस ने**

वेंटिलेटर पर रखा गया। महिला के सिर और पैर में गंभीर चोटें आई हैं। नेहा के देवर अर्पित सक्सेना ने बताया कि वह हादसे के समय पीछे ही थे। उन्होंने बताया कि थार चालक पहले नीचे उतरकर स्थिति देखता रहा, फिर दोबारा गाड़ी में बैठ गया। बाद में लोगों के पहुंचने पर गाड़ी को पीछे लेकर महिला को निकाला गया और ई-रिक्शा से अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस के अनुसार हादसे के बाद थार में सवार दो लोग वाहन सहित मौके से फरार हो गए। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि उक्त वाहन के पहले भी ओवरस्पीड के चालान हो चुके हैं। पुलिस ने वाहन नंबर के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

आरजीएचएस को लेकर कर्मचारी सड़कों पर

सरकारी कार्मिकों ने काली पट्टी बांधकर किया विरोध-प्रदर्शन

जयपुर। राजस्थान सरकारी स्वास्थ्य योजना (आरजीएचएस) में पिछले एक वर्ष से इलाज नहीं मिलने की समस्या को लेकर प्रदेशभर के कर्मचारियों में आक्रोश बढ़ गया है।

इसी से नाराज होकर राज्य कर्मचारियों ने मंगलवार से आंदोलन की शुरुआत करते हुए काली पट्टी बांधकर सांकेतिक विरोध प्रदर्शन

- **राज्य सरकार इस व्यवस्था को सुधारे, अन्यथा होगा बड़ा आंदोलन : राठौड़**

किया। साथ ही सरकार को चेतावनी दी कि व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

राजधानी जयपुर के गवर्नमेंट प्रेस कार्यालय में राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ (एकीकृत) के प्रदेश अध्यक्ष गजेंद्र सिंह राठौड़ के नेतृत्व में कर्मचारियों ने नारेबाजी कर विरोध जताया। करीब आधे घंटे के प्रदर्शन के बाद कर्मचारी काली पट्टी बांधकर ही अपने-अपने कार्यस्थलों पर लौटे।

राठौड़ ने आरोप लगाया कि कर्मचारियों की तनख्वाह से राशि कटने के बावजूद उन्हें इलाज की सुविधा नहीं मिल रही है। निजी अस्पतालों में उपचार बंद है और फार्मेसी से दवाइयां भी उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं। उन्होंने कहा कि अस्पतालों को भुगतान नहीं होने के कारण यह स्थिति बनी है,जो सरकार के लिए चिंताजनक है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द सुधार नहीं हुआ तो ब्लॉक, तहसील, जिला और प्रदेश स्तर पर चरणबद्ध आंदोलन तेज किया जाएगा। साथ ही यह भी सवाल उठाया कि कर्मचारियों के खातों से कट रही राशि का उपयोग कहां हो रहा है, इसकी मॉनिटरिंग आवश्यक है। वहीं इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. महेश शर्मा ने कहा कि अब तक केवल आश्वासन मिले हैं,लेकिन बकाया भुगतान और ठोस निर्णय नहीं होने तक आरजीएचएस का बहिष्कार जारी रहेगा। उन्होंने योजना की संरचना में गंभीर खामियों की ओर भी ध्यान दिलाया। कर्मचारियों के इस विरोध से स्पष्ट है कि आरजीएचएस की व्यवस्था को लेकर असंतोष गहराता जा रहा है, जिसे दूर करना सरकार के लिए बड़ी चुनौती बनता जा रहा है।

आरजीएचएस योजना में सरकारी कर्मचारियों का इलाज नहीं होने के विरोध में मंगलवार को कार्मिकों ने विरोध-प्रदर्शन किया।

सीमावर्ती इलाकों में हीटवेव संभव

जयपुर । प्रदेश में आगामी समय में बारिश की गतिविधियों में कमी आएगी। इससे एक बार फिर गर्मी रफ्तार पकड़ेगी। 9 मई को सीमावर्ती इलाकों में हीटवेव का दौर देखने को मिल सकता है। सोमवार देर रात प्रदेश के करीब एक दर्जन से अधिक शहरों में आंधी-बारिश हुई। इससे प्रदेश के अधिकांश शहरों के तापमान में गिरावट दर्ज की गई। मंगलवार को बाड़मेर और फलोदी को छोड़कर बाकी शहरों का दिन का पारा 40 डिग्री से नीचे रिकॉर्ड किया गया। 41.7 डिग्री के साथ बाड़मेर का दिन और 30 डिग्री के साथ फलौदी की रात सबसे गर्म रही।

मौसम विभाग के अनुसार सोमवार देर रात जयपुर, अजमेर, भीलवाड़ा, वनस्थली, पिलानी, सीकर, कोटा, चित्तोडग़ढ़, जोधपुर, उदयपुर, चूरू, श्रीगंगानगर, पाली सहित करीब 16 शहरों में आंधी के साथ हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। सबसे ज्यादा बारिश जयपुर के शाहपुरा में 68 मिमी बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा भीलवाड़ा में 32, पाली में 16 और कोटा में 12 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। आंधी-बारिश के चलते प्रदेश के शहरों के तापमान में 2 से 7 डिग्री तक की गिरावट दर्ज की गई।

सार-समाचार

गैस एजेंसी संचालक समेत तीन गिरफ्तार

जयपुर। सोडाला पुलिस और रसद विभाग ने एक संयुक्त कार्रवाई करते हुए घरेलू गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी करने वाले एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने सोडाला इलाके में अवैध रूप से गैस सिलेंडर बेचते हुए गैस एजेंसी संचालक समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) राजर्षि राज ने बताया कि जयपुर शहर में रिहायशी इलाकों में वाहनों के जरिए अवैध रूप से गैस रिफिलिंग और कालाबाजारी की शिकायतें मिल रही थीं। इन शिकायतों के आधार पर रसद विभाग की प्रवर्तन अधिकारी कविता शर्मा और सोडाला थाना पुलिस ने जमुना नगर विस्तार (सुशीलपुरा) स्थित एक खाली प्लॉट पर दबिश दी। जहां दबिश के दौरान मौके पर पुलिस ने एक बोलेरो पिकअप और भारी मात्रा में 97 घरेलू (14.2 किग्रा) और 2 व्यावसायिक (19 किग्रा) गैस सिलेंडर सहित एक चौपहिया,पिकअप,दो दुपहिया वाहन बरामद किए। वहीं पुलिस पूछताछ में पता चला कि आरोपित सुरेश योगी और कुलदीप योगी मिलकर अजमेर स्थित श्री कृष्णा एचपी गैस सर्विस से सिलेंडर अवैध रूप से खरीदते थे। पुलिस ने इस मामले में गैस एजेंसी के संचालक वेणी गोपाल को भी गिरफ्तार किया है। जिसने लालच में आकर बिना बुकिंग के आरोपितों को सिलेंडर उपलब्ध कराना स्वीकार किया। आरोपित सुरेश और कुलदीप करीब एक साल से इस धंधे में शामिल थे। वे निर्धारित दर से 100 रुपये अधिक कीमत पर जरूरतमंद लोगों को सिलेंडर बेचते थे। पुलिस को गुमराह करने के लिए आरोपितों ने अपनी पिकअप पर एचपी गैस का लोगो भी लगवा रखा था,ताकि चेकिंग के दौरान वे पकडे न जाएं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ ईसी एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

'ग्लोबल पीस थ्रू इवेंट्स' थीम तय

जयपुर । वर्तमान समय में विश्वभर में बढ़ती हिंसा, संघर्ष और युद्ध जैसी परिस्थितियों के बीच इवेंट इंडस्ट्री ने इवेंट मैनेजर्स डे के तहत एक सकारात्मक पहल के साथ इस वर्ष की थीम ग्लोबल पीस थ्रू इवेंट्स निर्धारित की है। इवेंट मैनेजर्स डे के ग्लोबल ग्लोबल कन्वीनर, अरशद हुसैन ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य कला, संस्कृति और आयोजनों के माध्यम से पूरी दुनिया में शांति, सौहार्द और प्रेम का संदेश फैलाना है।दुनिया के विभिन्न हिस्सों में जारी अशांति के माहौल को देखते हुए, वैश्विक स्तर पर इवेंट मैनेजर्स और कलाकार एकजुट होकर इस अभियान को आगे बढ़ाएंगे। इस अनूठे प्रयास के तहत विभिन्न देशों में रचनात्मक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर समाज को एकजुट करने और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने का लक्ष्य रखा गया है। जयपुर से शुरू हुए इवेंट मैनेजर्स डे भारत के अलावा 60 से अधिक देशों में मनाया जाता है। इस साल यह अभियान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शांति और भाईचारे को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इस अवसर पर फोरम प्रेजिडेंट, हितेंद्र शर्मा; जर्नल सेक्रेटरी, भुवनेश अग्रवाल; आशीश चतुर्वेदी; मिस राजस्थान के योगेश मिश्रा, अक्षत पुरोहित, यश महेश्वरी, सुरेश कुमावत और अभिनीत शुक्ल विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने इस अभियान के पोस्टर का विधिवत विमोचन भी किया और इस पहल की सराहना करते हुए इसे समय की आवश्यकता बताया।

जयपुर में 'परिणय पथ' का आयोजन

जयपुर। भारतीय जैन संघठना (बीजेएस) पिंक सिटी जयपुर के तत्वावधान में रविवार को 22 गोदाम सर्किल स्थित होटल हॉलिडे इन में परिणय पथ का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की परिकल्पना एवं नेतृत्व सुनील कोठारी अध्यक्ष पिंक सिटी ने की। इसका मुख्य उद्देश्य जयपुर के जैन युवाओं को जीवनसाथी चयन की प्रक्रिया में व्यवहारिक मार्गदर्शन देना एवं खुला, गरिमामय संवाद का मंच प्रदान करना रहा। कार्यक्रम के प्रमुख आयाम युवाओं के लिए इंटरैक्टिव गतिविधियां एवं एक्सप्रेशनल सेशन,जीवनसाथी चयन को लेकर स्पष्ट दृष्टिकोण एवं अपेक्षाओं पर संवाद, अभिभावकों के लिए समर्पित मार्गदर्शन सत्र ,व्यक्तित्व, मूल्यों एवं सोच को प्राथमिकता-केवल बायोडाटा आधारित मिलान नहीं था! इस आयोजन में युवक एवं युवतियों ने सहभागिता कर इसे यादगार बनाया। पूरे कार्यक्रम का संचालन बी जे एस राष्ट्रीय मैनेजिंग डायरेक्टर कोमल जैन द्वारा अत्यंत कुशलता एवं संवेदनशीलता के साथ किया गया, जिससे प्रत्येक प्रतिभागी को सहज एवं सुव्यवस्थित अनुभव प्राप्त हुआ।

जाट ने की किसान प्रतिनिधियों से चर्चा

जयपुर । किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट ने कहा कि, किसानों के लंबे संघर्ष के उपरांत चने के दाने-दाने की खरीद का मार्ग प्रशस्त हुआ था, उसे भी राजस्थान सरकार ने अवरोध उत्पन्न कर किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य की प्राप्ति से वंचित कर दिया। इसलिए किसानों को कमाई छोड़कर लडाई की आवश्यकता हुई। इसी के साथ चौमूं जैसे गेहूं के खरीद केंद्र चालू नहीं होने से किसानों में आक्रोश है। ये विचार किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट ने किसान प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए प्रकट किये। किसान प्रतिनिधियों को प्रदेश उपाध्यक्ष सेवा निवृत प्राचार्य गोपी राम डबास,भगवान निठारवाल, छीतरलाल बैरवा, गौरी शंकर मालू ने भी संबोधित किया।

मुख्य सचिव ने की जल संसाधन प्रबंधन और संरक्षण पर चर्चा

जयपुर (कासं)। मुख्य सचिव व राजस्थान नदी बेसिन एवं जल संसाधन योजना प्राधिकरण के अध्यक्ष वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में मंगलवार को सचिवालय में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में जल संसाधन प्रबंधन, संरक्षण एवं विभाग की योजना से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में मुख्य सचिव द्वारा मुख्य अभियंता हनुमानगढ़ को घग्गर नदी के मानसून अवधि में बाढ़ और जल उपलब्धता और संभावित उपयोग का अध्ययन करवाकर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश प्रदान किए। साथ ही, सभी बेसिन मुख्य अभियंता एवं बेसिन अतिरिक्त मुख्य अभियंताओं को अपने-अपने संभाग में स्थित नदी बेसिनों की अद्यतन प्रभावी योजना एवं नदी बेसिन मास्टर प्लान विकसित राजस्थान-2047 को ध्यान में रखते हुए शीघ्र तैयार करने के निर्देश प्रदान किए।

इसमें जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं प्राधिकरण के आयुक्त अभय कुमार ने राजस्थान नदी बेसिनों की जानकारी प्रस्तुत दी। प्राधिकरण के मुख्य अभियंता राज पाल सिंह ने विभिन्न परियोजनाओं एवं योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए वर्तमान स्थिति से अवगत कराया। बैठक में जल संसाधन प्रबंधन से जुड़े प्रमुख बिंदुओं पर चर्चा की गई। इनमें सतही जल की उपलब्धता, रावी-ब्यास से प्राप्त जल, भूजल विकास की स्थिति, विभिन्न क्षेत्रों में जल की मांग (सिंचाई, पेयजल एवं औद्योगिक उपयोग), नहरों में जल परिवहन के दौरान होने वाली हानि तथा प्रमुख परियोजनाएं शामिल रहीं। इनमें इंदिरा गांधी नहर परियोजना, गंग नहर, भाखड़ा नहर एवं सिद्धमुख-नोहर परियोजना प्रमुख रूप से सम्मिलित हैं। इसमें भूजल की गुणवत्ता एवं बढ़ती पेयजल मांग को प्रमुख चुनौतियों के रूप में चिन्हित किया गया।

मुख्य सचिव व राजस्थान नदी बेसिन एवं जल संसाधन योजना प्राधिकरण के अध्यक्ष वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में मंगलवार को उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक हुई।

- **मुख्य अभियंता हनुमानगढ़ को घग्गर नदी के मानसून अवधि में बाढ़ और जल उपलब्धता व संभावित उपयोग का अध्ययन करवाकर रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए**

विधानसभा परिसर में हर्बल और नक्षत्र वाटिका का उद्घाटन

पर्यावरण, आयुर्वेद एवं ज्योतिष विज्ञान को समर्पित इन वाटिकाओं का उद्घाटन देवनानी ने 5 राज्यों के स्पीकर्स के साथ किया

स्पीकर्स ने राजस्थान विधानसभा के भवन, सदन व म्यूजियम को शानदार बताया

जयपुर (कासं)। राजस्थान विधानसभा परिसर में मंगलवार को पर्यावरण, आयुर्वेद एवं भारतीय ज्योतिष विज्ञान को समर्पित दो अनूठी वाटिकाओं ''हर्बल वाटिका'' एवं ''नक्षत्र वाटिका'' का विधिवत उद्घाटन सम्पन्न हुआ। यह उद्घाटन राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने देश के पांच राज्यों के विधान सभा अध्यक्षों के साथ किया।

इस अवसर पर मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, उत्तरप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना, हिमाचल प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया, ओडिशा विधानसभा की अध्यक्ष सुरमा पाढ़ी एवं सिक्किम विधानसभा के अध्याक्ष मिंगमा नोर्बु शेरपा की विशिष्ट उपस्थिति रही। कार्यक्रम में राजस्थान के संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल एवं राजस्थान विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली भी उपस्थित रहे।

राजस्थान विधानसभा परिसर में मंगलवार को पर्यावरण, आयुर्वेद एवं भारतीय ज्योतिष विज्ञान को समर्पित दो अनूठी वाटिकाओं ''हर्बल वाटिका'' एवं ''नक्षत्र वाटिका'' का विधिवत उद्घाटन सम्पन्न हुआ।

विधानसभा परिसर के उत्तर-पश्चिम दिशा में स्थापित हर्बल वाटिका का उद्देश्य स्वास्थ्य एवं आयुर्वेद के महत्व को रेखांकित करना तथा औषधीय पौधों के संरक्षण के प्रति जन जागरुकता बढ़ाना है। इस वाटिका में वैज्ञानिक पद्धित से निर्मित 8-13 फीट आकार की कुल 38 क्यारियों बनाई गई हैं, जिनमें 38 प्रकार की औषधीय प्रजातियों के 20 से 25 पौधे प्रति क्यारी रोपित किए गए हैं। वाटिका में इलायची, पोदीना, लेमनग्रास, घृतकुमारी (एलोवेरा), सदाबहार, तुलसी, सिट्रोनेला, पत्थर चट्टा, हडजोड, सफेद मूसली, इन्सुलिन, पीपली, समुद्र बेल. ब्राहमी, लाजवती एवं अपराजिता सहित अनेक महत्वपूर्ण जड़ी-बूटियाँ रोपित की गई हैं। यह वाटिका औषधीय जान के प्रसार के साथ-साथ प्राकृतिक चिकित्सा पद्धित को भी प्रोत्साहित करती है।

विधानसभा परिसर के दक्षिणी क्षेत्र में स्थापित नक्षत्र वाटिका भारतीय ज्योतिष एवं आयुर्वेद की समृद्ध परम्परा को समर्पित एक अनूठी संकल्पना है। भारतीय ज्योतिष एवं आयुर्वेद के अनुसार आकाशमण्डल में 27 नक्षत्र माने गए हैं, जिनका संबंध विशिष्ट वृक्षों से है। इस वाटिका में अश्विनी – कुचला, भरणी आँवला, कृतिका गूलर, रोहिणी जामुन, मृगसिर खैर, आर्दा शीशम, पुनर्वसु बाँस, पुष्य पीपल, आश्लेषा नागकेसर, मघा बरगद, पूर्व फाल्गुनी पलाश, उत्तर फाल्गुनी पाकड़, हस्त जामली, चित्रा बेल, स्वाती अर्जुन, विशाखा कटाई/शमल, अनुराधा मौलश्री, ज्येष्ठा घीड़/सेमल, मूल साल, पूर्वाषाढा अशोक, उत्तराषाढ़ा कटहल, श्रवण शमी/आक, धनिष्ठा मदार, शतभिषा कदंब, पूर्व भाद्रपद आम, उत्तर भाद्रपद नीम तथा रेवती – महुआ के प्रतिनिधि वृक्ष रोपित किए गए हैं। यह वाटिका प्रकृति और खगोल विज्ञान के अद्भुत संगम की जीवंत रूप में प्रस्तुत करती है। उद्घाटन के पश्चात् अतिथियों ने राजस्थान विधानसभा के सभागार का अवलोकन किया तथा विधानसभा की संसदीय परम्पराओं एवं ऐतिहासिक विरासत से परिचय प्राप्त किया। अतिथियों ने विधानसभा परिसर में स्थापित अत्याधुनिक डिजिटल म्यूजियम का भी अवलोकन किया। यह डिजिटल म्यूजियम राजस्थान की विधायी यात्रा, संसदीय इतिहास एवं लोकतांत्रिक परम्पराओं को अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से जीवत रूप में प्रस्तुत करता है। अतिथियों ने इसे अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणाप्रद बताया।